# भारत का राजपत्र The Gazette of India

घ्रस(धारण

## **EXTRAORDINARY**

भाग II--खण्ड 3---उपखण्ड (11)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार<sub>ं</sub>से प्रकाशित*ु* 

# PUBLISHED BY AUTHORITY

₹• 370]

नई बिल्ली, मंगलवार, लितस्वर 16, 1975/भाव 25, 1897

No. 370]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 16, 1975/BHADRA 25, 1897

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वो जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रका जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Irrigation)

### NOTIFICATIONS

New Delhi, the 16th September, 1975

S.O. 518(E),—Whereas a vacancy has occurred in the Krishna Water Disputes Tribunal, constituted by the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Irrigation and Power S.O. No. 1419, dated the 10th April, 1969, consequent on the demise of Shri Justice Shamsher Bahadur;

And whereas the Chief Justice of India has nominated Shri Justice Dibyendu Mohan Sen of the Gauhati High Court to fill the said vacancy under section 5A of the Inter-State Water Disputes Act, 1956 (33 of 1956);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 4, read with section 5A of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the said notification, namely:—

In the said notification under the heading 'Members', for item (ii), the following item shall be substituted, namely:—

"(ii) Shri Justice Dibyendu Mohan Sen, Judge of the Gauhati High Court."

[No. 2(22)/75-WD]

# कृषि श्रीर सिंख ई मन्त्र, लय

(सिंबाई विभाग)

# प्रधिसूचनाएं

# नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1975

का० ग्रा० 518 (ग्र) भारत सरकार के भूतपूर्व सिचाई ग्रीर विद्युत् मन्त्रालय की ग्रधिसूचना का० ग्रा० सं० 1419, तारीख 10 ग्रप्रैल, 1969 द्वारा गठित कृष्णा जल विवाद ग्रधिकरण में न्यायमूर्ति श्री शमशेर बहादूर की मृत्यु के परिणामस्वरूप एक रिक्ति हो गई है;

श्रौर भारत के मुख्य न्यायमूर्ति ने श्रन्तर्राज्यिक जल विवाद श्रिधिनियम, 1956 (1956 का 33) की धारा 5क के श्रिधीन उक्त रिक्ति को भरने के लिए गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री दिब्येंदु मोहन सेन को नाम निर्देशित किया है;

श्रतः, श्रवः, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 5क के साथ पठित धारा 4 द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रधिसूचना में निम्निलिखित संशोधन करती है, श्रथांत्:—

> उनंत श्रधिसूचना में, 'सदस्य' शीर्षक के श्रन्तर्गत, मंद (2) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, श्रर्थात्:---

"(2) न्यायमूर्ति श्री दिव्येन्दु मोहन सेन, न्यायाधीण, गौहाटी उच्च न्यायासय ।"

[सं० 2(22)/75-डब्ल्यू० डी०]

S.O. 519(E).—Whereas a vacancy has occurred in the Godavari Water Disputes Tribunal, constituted by the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Irrigation and Power S.O. 1421, dated the 10th April, 1969, consequent on the domise of Shri Justice Shamsher Bahadur;

And whereas the Chief Justice of India has nominated Shri Justice Dibyendu Mohan Sen of the Gauhati High Court to fill the said vacancy under section 5A of the Inter-State Water Disputes Act, 1956 (33 of 1956);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 4, read with section 5A of the said act, the Central Government hereby makes the following amendment in the said notification namely:—

In the said notification, under the heading "Members" for item (ii), the following item shall be substituted, namely:—

"(ii) Shri Justice Dibyendu Mohan Sen, Judge of the Gauhati High Court."

By order and in the name of the President of India.

[No. 2(22)/75-WD]

S. N. GUPTA, Jt. Secy.

का० ग्रा० 519(ग्र).—मारत सरकार के भूतपूर्व सिचाई ग्रीर विश्रुत् मन्त्रालय की ग्रधि-सूचना सं० का० ग्रा० 1421, तारीख 10 ग्रप्रैल, 1969 द्वारा गठित गोदावरी जल विवाद ग्रधिकरण में न्यापमूर्ति श्री शमशेर बहादुर की मत्यु के परिणामस्वरूप एक रिक्ति हो गई है;

श्रीर भारत के मुख्य न्यायमूर्ति ने श्रन्तर्राज्यिक जल विवाद श्रीधिनियम, 1956 (1956 का 33) की धारा 5क के श्रधीन उक्त रिक्ति को भरने के लिए गौहाटे उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री दिव्येन्दु मोहन सेन को नाम निर्देशित किया है;

ग्रतः, ग्रब, केन्द्रीय सरकार, उनत ग्रधिनियम की धारा 5क के साथ पठित धारा 4 द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनत ग्रधिसूचना नें निम्नलिखित संगोधन करती है, ग्रर्थात्ः—

> उत्त श्रधिसूचना में, 'सदस्य' शोर्षक के अन्तर्गत, मद (2) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, श्रर्थात्:—

"(ii) न्यायमूर्ति श्री विब्येन्दु मोहन सेन, न्यायाधीश, गौहाटी उच्च न्यायालय ।"

राष्ट्रपति के ब्रादेश से ब्रौर उनके नाम में।

[सं० 2(22)/75-डब्यू० डी०]

सत्येन्द्रनाथ गुप्ता, संयुक्त सचिव ।